(1)

संस्कृत पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम(2013 ।

(1) (क) वैदिक-साहित्य का सामान्य परिचय

(i) देवता – अग्नि,सवितृ,विष्णु,इन्द्र,रुद्र,बृहस्पति,अश्विनौ,वरुण,उषस् , सोम-सूक्त ।

(ii) विषय-वस्तु- संहितायें, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् ।

(iii) संवादसूक्त – पुरुरवा-उर्वशी,यम-यमी,सरमा-पणी,विश्वामित्र-नदी ।

(IV)– इतिहास – वैदिककाल के विषय में विभिन्न सिद्धान्त – मैक्समूलर, ए.वेबर, जेकोबी, बालगङ्गाधर तिलक , एम.विन्टरनीट्स , भारतीय परम्परागत विचार।

(ख) वैदिक-साहित्य के वैशिष्ट्य –

(i) ऋग्वेद संहिता –निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन – अग्नि (1.1), इन्द्र (2.12), पुरुष(10.90), हिरण्यगर्भ(10.121), नासदीय(10.129), वाक्(10.125)।

(ii) अथर्ववेद – पृथिवीसूक्त(12.1)

(iii) ब्राह्मण एवं आरण्यक –

सामान्य लक्षण, विशेषतायें, दर्शपौर्णमास यज्ञ, शुनःशेप एवं वाङ्मनस् आख्यान, पञ्चमहायज्ञ

(ग) व्याकरण एवं वैदिक व्याख्यापद्धति –

(i) पदपाठ

(ii) स्वर – उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित

(iii) वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर

(iv) वैदिक व्याख्यापद्धति, प्राचीन एवं अर्वाचीन

(घ) (1) विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन

विशेषतः निम्नलिखित उपनिषदों के सन्दर्भ में - ईश,केन,कठ,वृहदारण्यक,तैत्तिरीय ।

(2) दर्शन

(क) ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका - सत्कार्यवाद, पुरुषस्वरूप, प्रकृति का स्वरूप, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य ।

(ख) सदानन्द का वेदान्तसार – अनुबन्धचतुष्ट्य, अज्ञान, अध्यारोप-अपवाद, लिङ्गशरीरोत्पत्ति, पञ्चीकरण, विवर्त, जीवनमुक्ति ।

(ग) केशवमिश्र की तर्कभाषा /अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह –पदार्थ, कारण, प्रमाण –

[डॉ. पूर्णिमा केलकर]
07/09/2013

P. T. O.

प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द ।

(3) व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

(क)व्याकरण

(i) परिभाषायें(संज्ञाप्रकरण से सम्बन्धित)

संहिता, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनाम-स्थान, निष्ठा

(ii) कारक- सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार ।

(iii) समास -लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार ।

(ख) भाषाविज्ञान

(I) – भाषा की परिभाषा एवं प्रकार

(ii)भाषाओं का वर्गीकरण(परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)

(iii)भाषाप्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण(स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर)

(iv) ध्वनि सम्बन्धी नियम,भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थायें

(4) काव्यशास्त्र

(क)साहित्यदर्पण

(i) काव्य की परिभाषा एवं अन्य परिभाषाओं का खण्डन ।

(ii) शब्दशक्ति, सङ्केतग्रह, अभिधा, लक्षणा एवं व्यन्जना ।

(iii) रस(रसभेद स्थायीभाव सहित)

(iv) नाटक के लक्षण , (दशरूपक – प्रथम तथा तृतीय प्रकाश) ,महाकाव्य के लक्षण ।

(ख) काव्यप्रकाश

(i)काव्यलक्षण,

काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्रविमर्श, रसदोष, काव्यगुण

(ii) अलङ्कार – अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, सङ्कर, संसृष्टि

(ग) ध्वन्यालोक(प्रथम उद्योत)

(5) संस्कृत का लौकिक साहित्य ।

(क)-पद्य

(i) रामायण- रामायण का क्रम, रामायण के आख्यान, रामायणकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों केलिये रामायण एक प्रेरणास्रोत, रामायण का साहित्यिक महत्त्व।

संस्कृत शोध विभाग
इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
खैरागढ़ (छ. ग.) 491-881

7-9-2017

P. T. O.

[डॉ. पूर्णिमा केलकर]
07/09/2017

(ii)महाभारत - महाभारत का क्रम, महाभारत के आख्यान, महाभारत कालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थ, महाभारत का साहित्यिक महत्त्व ।

(iii) कौटिल्य अर्थशास्त्र (प्रथम दस अधिकरण)

(iv) मनुस्मृति(प्रथम,द्वितीय तथा सप्तम अध्याय)

(v) रघुवंश(प्रथम तथा चतुर्दश सर्ग), मेघदूत (सम्पूर्ण), किरातार्जुनीयम् (प्रथम-सर्ग), शिशुपालवध (प्रथम सर्ग), नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग), बुद्धचरित(प्रथम सर्ग)

(ख) गद्य-साहित्य ।

(i) निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य परिचय – दशकुमारचरित,हर्षचरित,कादम्बरी ।

(ii) दशकुमारचरित – अष्टम उच्छवास, हर्षचरित – पञ्चम उच्छवास, कादम्बरी – महाश्वेता वृत्तान्त ।

(ग) निम्नलिखित नाटकों का सामान्य अध्ययन ।

(i) स्वप्नवासवदत्तम् , वेणीसंहार, मृच्छकटिकम् ।

(ii) निम्नलिखित नाटकों का विस्तृत अध्ययन
कर्णभार, अभिज्ञानशाकुन्तलम् , उत्तररामचरितम् , मुद्राराक्षस तथा रत्नावली ।

कुमारी शोध विभाग
इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
[illegible] 491-881

[डॉ. पूर्णिमा कलेर]
07/09/2013

7-9-2013